FINANCIAL PERFORMANCE PROFILE

HOW THE TOTAL INCOME (INCLUDING BOT) WAS UTILISED IN 2012-13 BY FUNCTIONAL DEPARTMENT

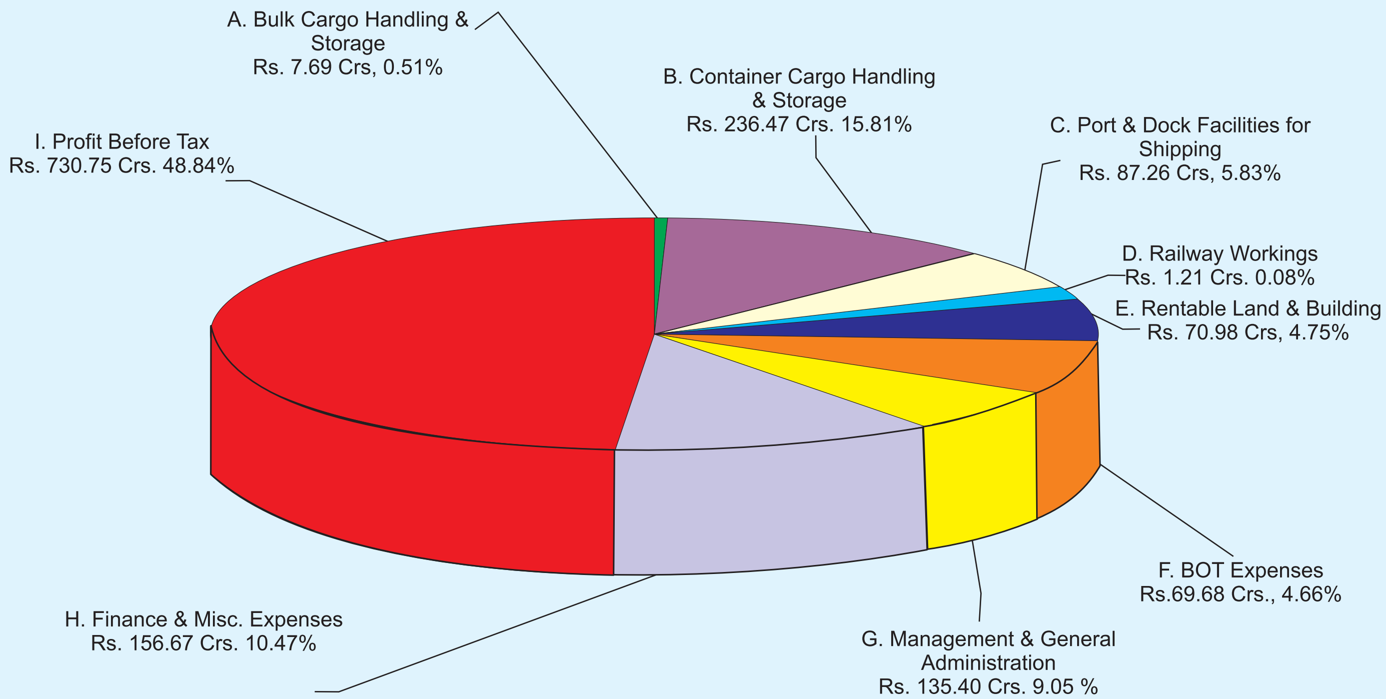

वित्तीय निष्पादन की रूपरेखा

प्रकार्यात्मक विभागों द्वारा वर्ष 2012-13 में कुल आय (नि.प्र.ह. को छोड़कर का किस तरह से उपयोग किया

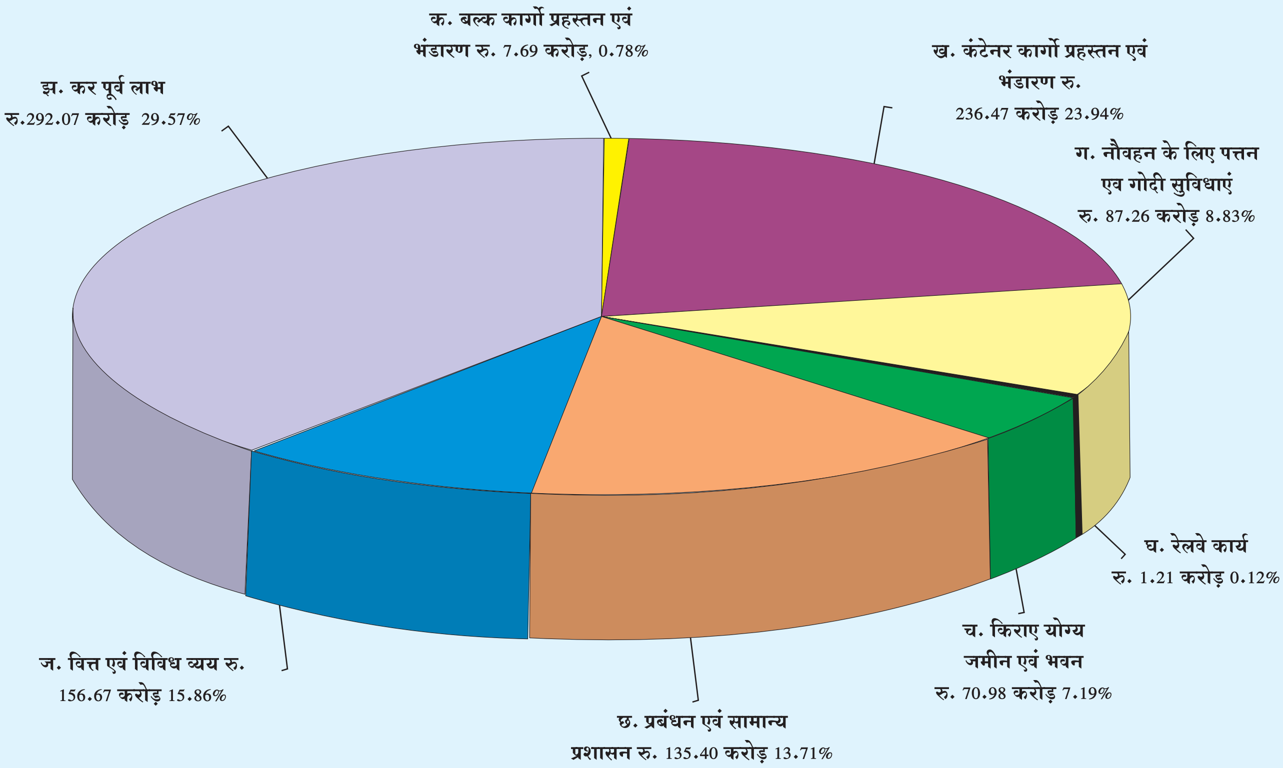

FINANCIAL PERFORMANCE PROFILE

HOW THE TOTAL INCOME (EXCLUDING BOT) WAS UTILISED IN 2012-13 BY FUNCTIONAL DEPARTMENT

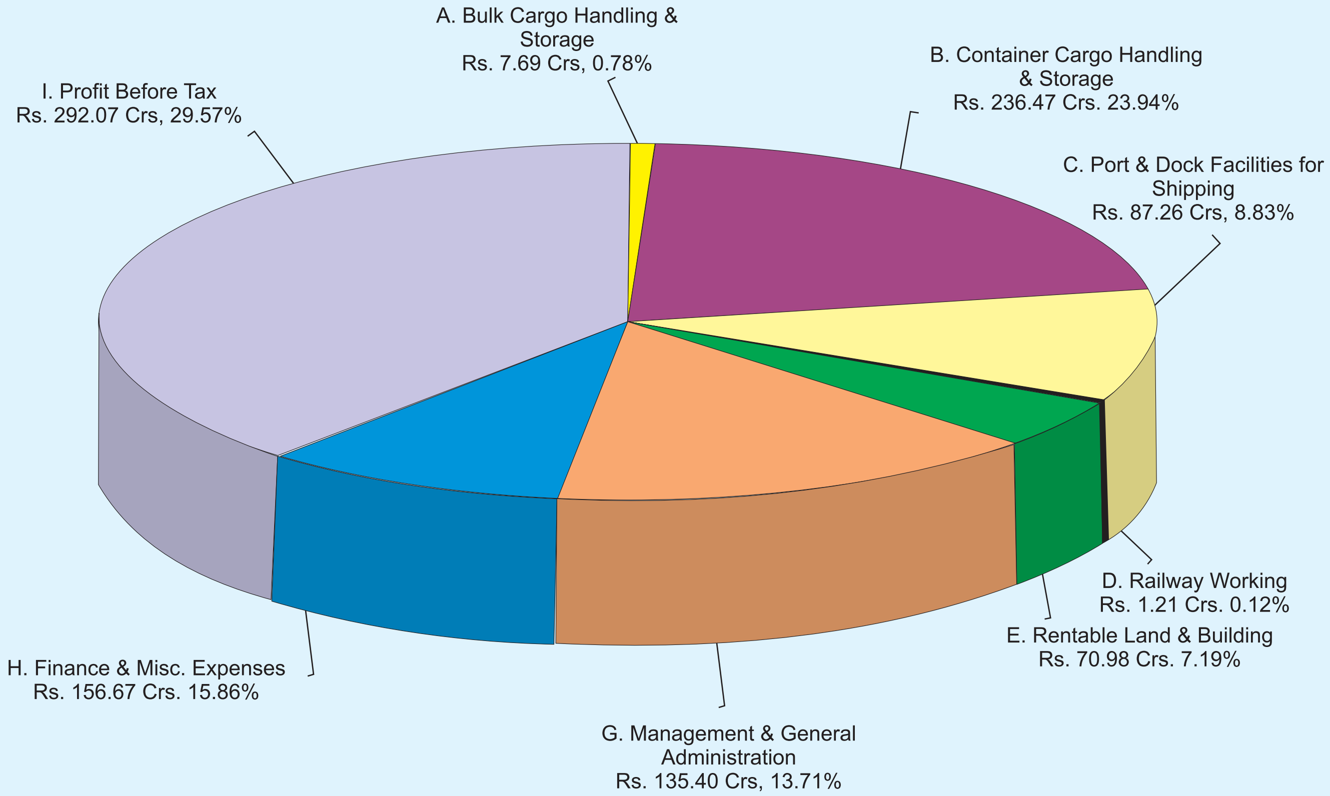

वित्तीय निष्पादन की रूपरेखा

कुल व्यय का वितरण 2012-13

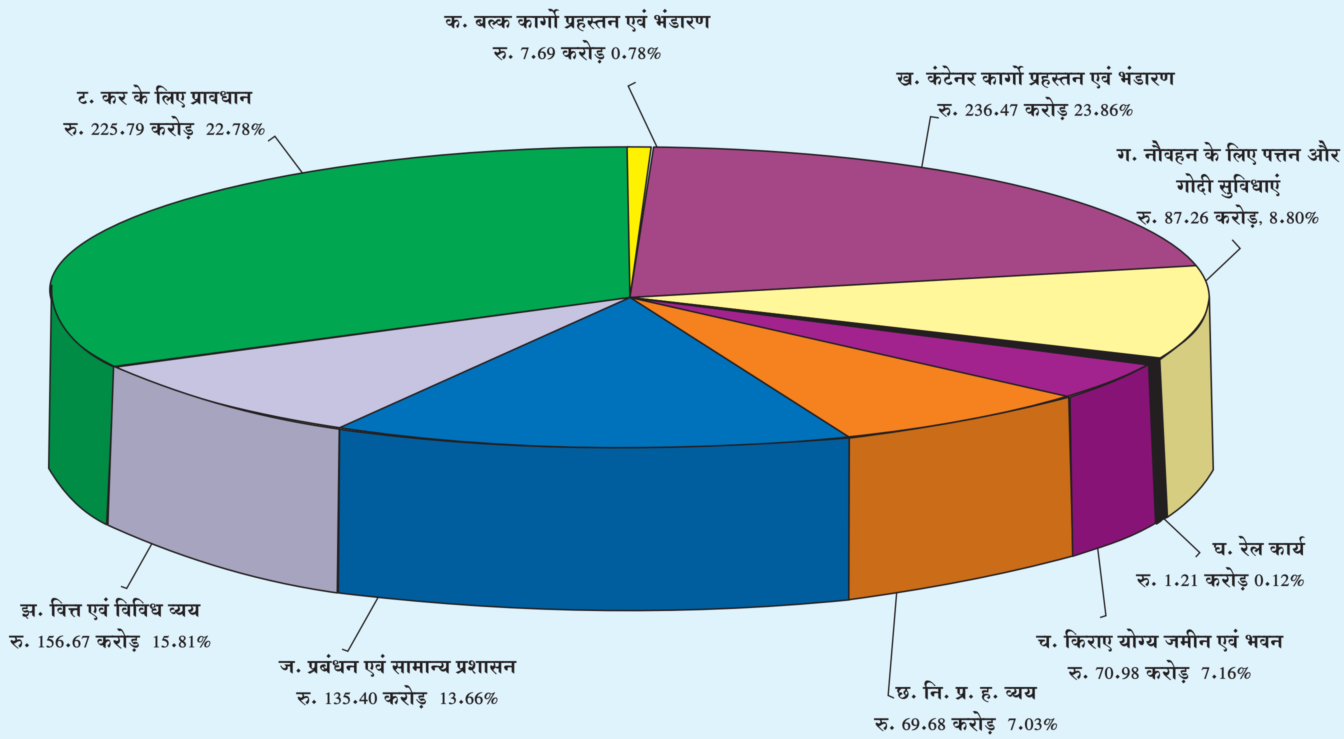

FINANCIAL PERFORMANCE PROFILE

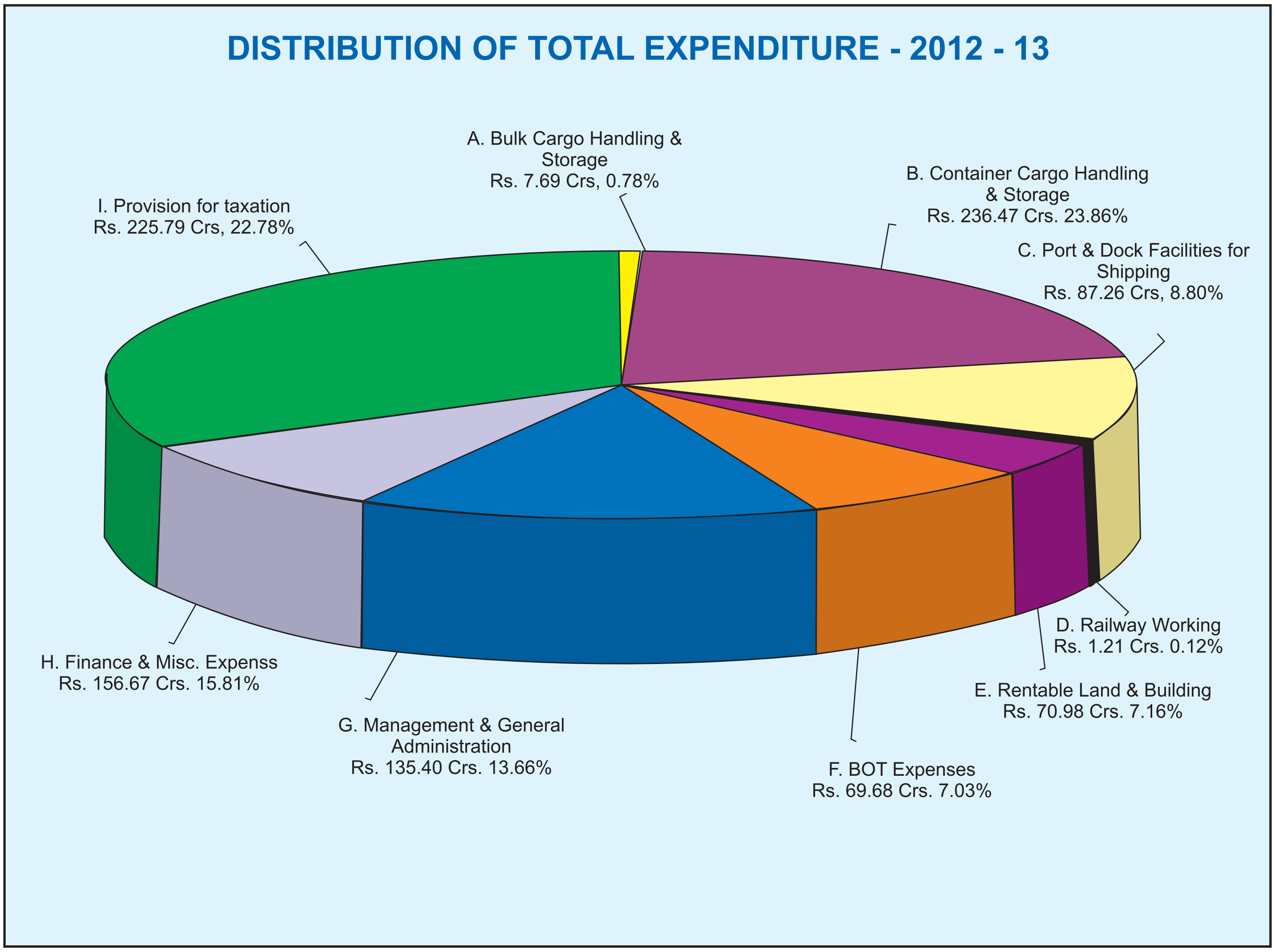

वित्तीय निष्पादन की रूपरेखा

कुल आय का वितरण 2012-13

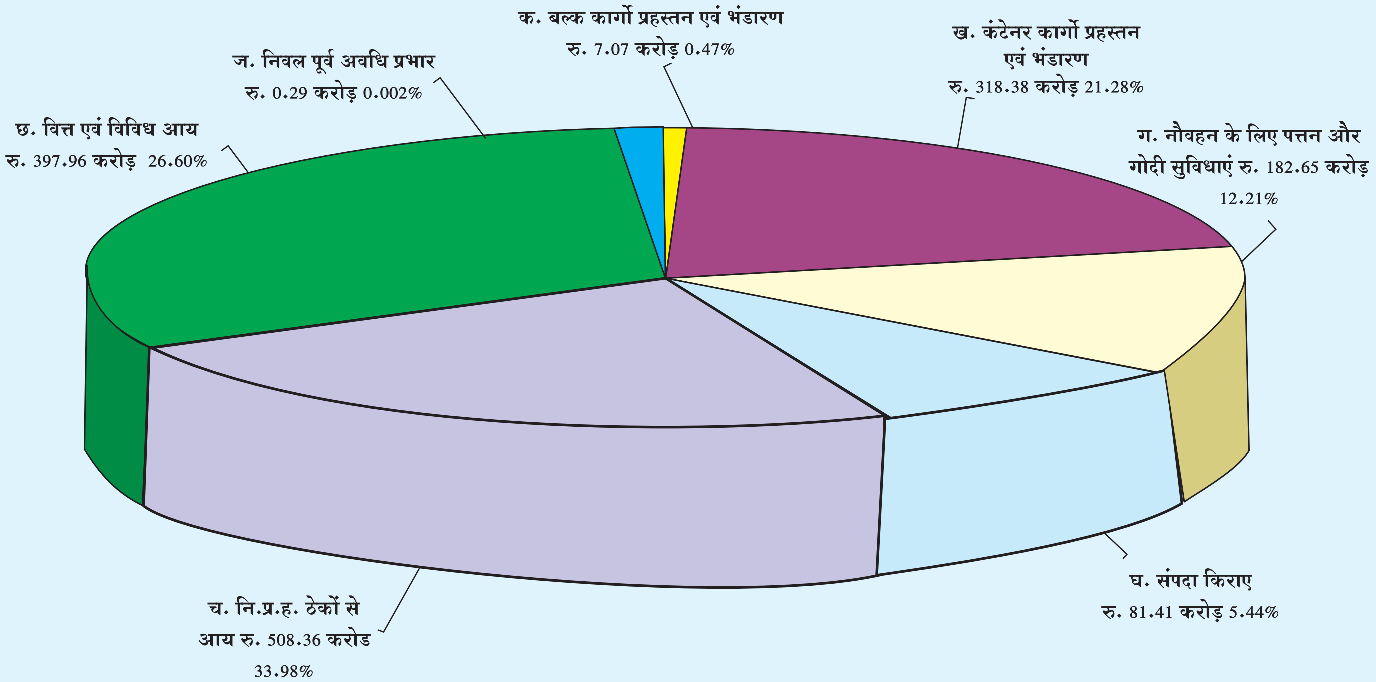

FINANCIAL PERFORMANCE PROFILE

DISTRIBUTION OF TOTAL INCOME - 2012 - 13

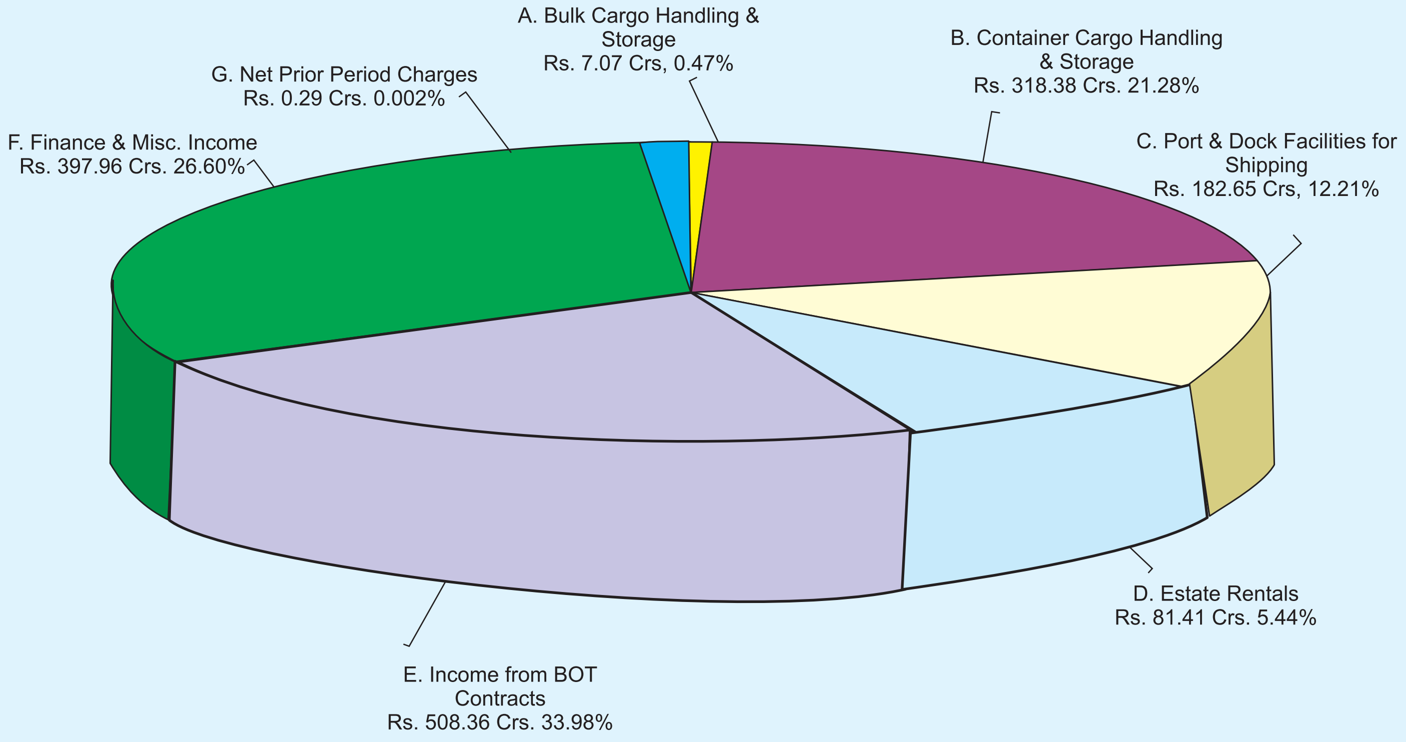

वित्तीय निष्पादन की रूपरेखा

कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में कर्मचारी व्यय (कर को छोड़कर) 2012-13

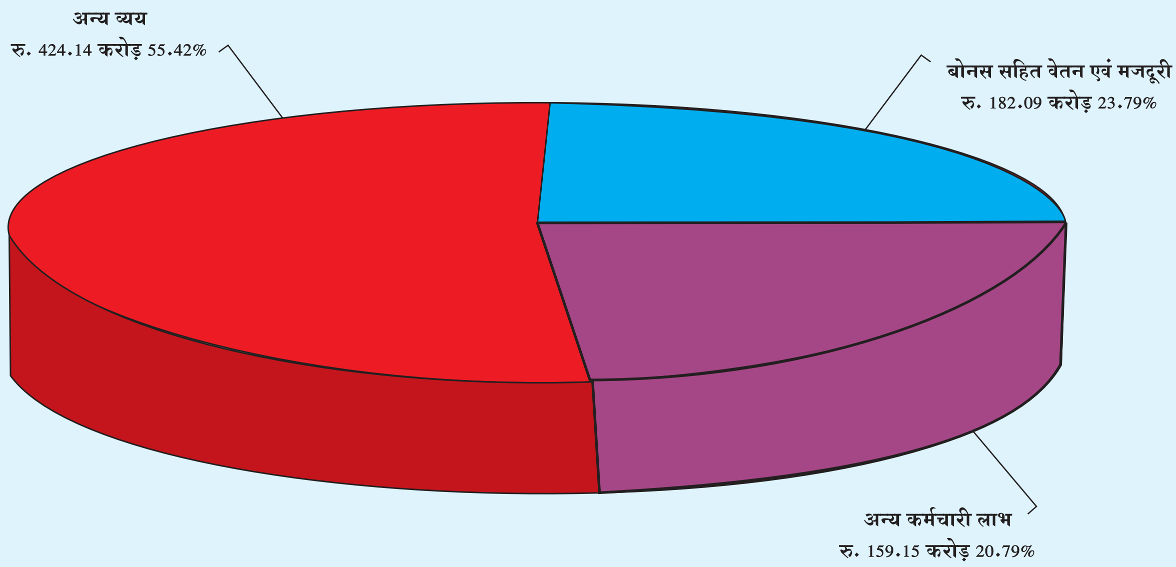

FINANCIAL PERFORMANCE PROFILE

EMPLOYEES EXPENDITURE AS A PERCENTAGE OF TOTAL EXPENDITURE (EXCLUDING TAX) 2012-13

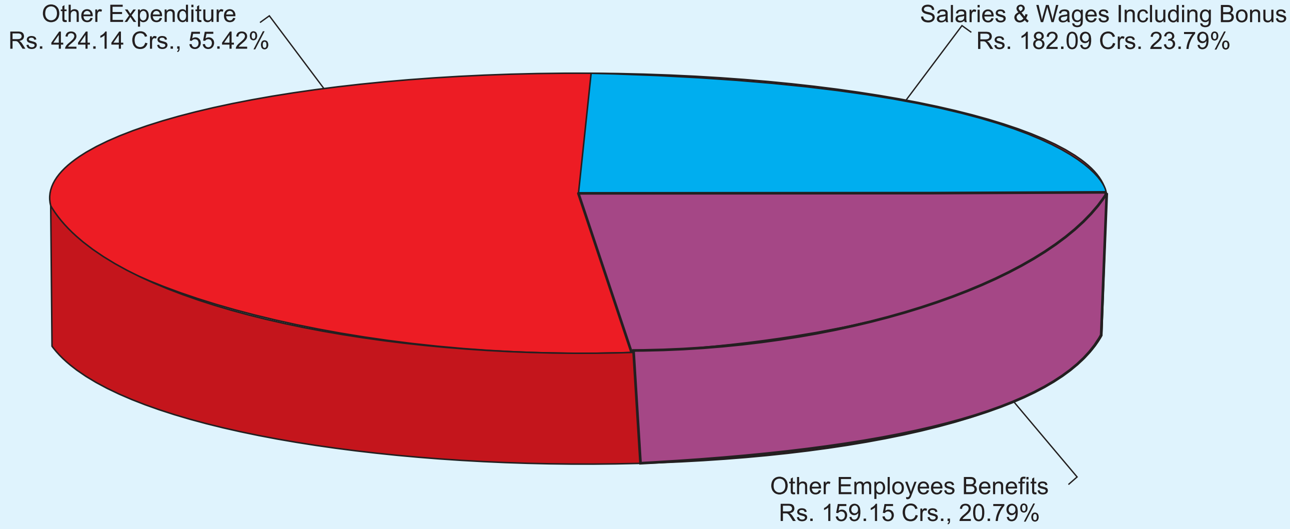

वित्तीय संकेतक

(करोड़ रुपयों में)

क्र.सं.		विवरण	2012-13	2011-12
1		नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ		
	क)	कर पूर्व लाभ	730.75	892.95
	ख)	जोड़ें - ऋणों पर ब्याज	-	
	ग)	घटाएँ : - निवेश पर ब्याज	315.92	255.78
	घ)	ब्याज से पहले लाभ	414.83	637.17
	च)	निवल नियोजित पूंजी (चालू कार्य, बैंक सावधि जमा निकालकर)	1979.14	2028.99
	छ)	नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ की दर (छ/च)	20.96%	31.40%
2	ऋण से आरक्षित एवं अधिशेष			
	क)	देय ब्याज सहित ऋण	41.32	-
	ख)	पूंजी आरक्षित	5256.61	4751.66
	ग)	अनुपात	0.01	-
3	वर्तमान परिसम्पत्तियों से वर्तमान देयताएँ			
	क)	वर्तमान परिसम्पत्तियाँ (बैंक सावधि जमा निकालकर)	2402.65	2080.71
	ख)	वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	1832.37	1276.16
	ग)	अनुपात	1.31:1	1.63:1
4.		वर्तमान परिसमत्तियों से कुल परिसम्पत्तियाँ		
		वर्तमान परिसमत्तियाँ (बँक सावधिक जमा निकालकर)	2402.65	2080.71
		कुल परिसम्पत्तियाँ	7227.48	6117.20
		अनुपात	33.24%	34.01
5.		प्रचालन अनुपात		
	क)	प्रचालन व्यय	608.70	499.63
	ख)	प्रचालन आय	1097.87	1167.15
	ग)	अनुपात	55.44%	42.81%
6.		भंडार एवं सामग्री से वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
	क)	भंडार एवं सामग्री का समापन स्टॉक	16.43	15.05
	ख)	वर्तमान परिसम्पत्तियाँ (बैंक सावधि जमा निकालकर)	2402.65	2080.71
	ग)	अनुपात	0.68%	0.72%
7		कार्य अनुपात		
	क)	प्रचालन व्यय (मूल्यह्रास निकालकर)	565.44	461.10
	ख)	प्रचालन आय	1097.87	1167.15
	ग)	अनुपात	51.50%	39.51%

FINANCIAL INDICATORS

(Rs. in Crores)

Sl No.		DESCRIPTION	2012-13	2011-12
1		**Return on Capital Employed**		
	a	Profit before Tax	**730.75**	892.95
	b	Add : Interest on Loan	**—**	—
	c	Less : interest on Investment	**315.92**	255.78
	d	Profit before interests	**414.83**	637.17
	e	Net Capital Employed (Excl. WIP, Bank TDRs)	**1979.14**	2028.99
	f	Rate of Return on Capital Employed (d/e)	**20.96%**	31.40%
2		**Debt to Reserves & Surplus**		
	a	Debt including interest due	**41.32**	—
	b	Reserves & Surplus	**5256.61**	4751.66
	c	Ratio	**0.01**	—
3		**Current Assets to Current Liabilities**		
	a	Current Assets (Excl. TDRs)	**2402.65**	2080.71
	b	Current Liabilities & Provisions	**1832.37**	1276.16
	c	Ratio	**1.31:1**	1.63:1
4		**Current Assets to Total Assets**		
	a	Current Assets (Excl. TDRs)	**2402.65**	2080.71
	b	Total Assets	**7227.48**	6117.2
	c	Ratio	**33.24%**	34.01%
5		**Operating Ratio**		
	a	Operating Expenditure	**608.70**	499.63
	b	Operating Income	**1,097.87**	1,167.15
	c	Ratio	**55.44%**	42.81%
6		**Store and Materials to Current Assets**		
	a	Closing Stock of Store and Materials	**16.43**	15.05
	b	Current Assets (Excl. TDRs)	**2,402.65**	2,080.71
	c	Ratio	**0.68%**	0.72%
7		**Working Ratio**		
	a	Operating Expenditure (Excl. Depreciation)	**565.44**	461.10
	b	Operating Income	**1,097.87**	1,167.15
	c	Ratio	**51.50%**	39.51%

11. सामान्य सूचना

11.1.0 मुंबई हार्बर और जने पत्तन चैनल को गहरा और चौड़ा बनाना (चरण - 1)

जनेप न्यास और मुंबई पत्तन न्यास का लगभग 22 कि.मी. लम्बा साझा हार्बर चैनल है । वर्तमान में मुंबई चैनल की गहराई निर्देशांक रेखा के नीचे 10.7 से 11 मीटर तक है । ज.ने.पत्तन का चैनल 7.2 कि.मी. लम्बा है जिसकी गहराई निर्देशांक रेखा के नीचे 11 मीटर है । वर्तमान में 12.5 मी. तक के डुबाव वाले बड़े जलयान ज्वार के समय मुंबई हार्बर मुख्य चैनल तथा जनेप चैनल मेंआवागमन करते हैं । पत्तन ज्वार के समय 14 मी. तक के डुबाव वाले(6000 टीईयू से अधिक क्षमता के)जलयानों को स्थान देने के लिए वर्तमान चैनल को गहरा और चौड़ा बना रहा है । मेसर्स टाटा कन्सल्टिंग इंजीनियरिंग लिमिटेड को इस परियोजना का अभियंता नियुक्त किया गया है । पत्तन ने 1 अगस्त, 2012 को मेसर्स बोस्कालिस इंटरनेशनल बी. वी. को रु. 1370/- करोड़ की लागत का कार्य आदेश जारी किया है । यह कार्य प्रगति पर है और मार्च, 2013 के अंत तक लगभग 09 मिलियन घन का पंकोत्सरण किया जा चुका है ।

11.1.1 सड़क अवसंरचना :

जनेप न्यास राष्ट्रीय राजमार्ग 4 बी द्वारा मुंबई-पुणे राजमार्ग/एक्सप्रेस मार्ग(रा.रा.-4) और मुंबई-गोवा राजमार्ग (एनएच 17) से जुड़ा हुआ है । जनेप न्यास राज्य मार्ग-54 और आम्रमार्ग द्वारा नवी मुंबई क्षेत्र, ठाणे, नासिक औरअहमदाबाद से भी जुड़ा हुआ है ।

पत्तन का सड़क सम्पर्क सुधारने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग - 4 बी को(रा.रा. 4 के एक छोटे हिस्से सहित) पत्तन से मुंबई-पुणे राजमार्ग/एक्सप्रेस मार्ग तक दो लेन से चार लेन का बनाया गया है तथा पत्तन से गव्हाण फाटा तक राज्यमार्ग मार्ग 54 को चार लेन का बनाया गया है तथा बेलापुर के निकट सायन-पनवेल राज्यमार्ग तक आम्रमार्ग का सुधार किया गया है । इस परियोजना का कार्यान्वयन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, जनेप और सिड़को द्वारा मिलकर एक विशेष उद्देश्य कम्पनी के माध्यम से किया गया है । इस विशेष उद्देश्य कम्पनी ने बीओटी आधार पर उक्त सड़कों को विभिन्न जंक्शनों पर ग्रेड सेपरेटरों के साथ 6/8 लेन का बनाने का कार्य भी आरंभ किया है । योग्यता हेतु अनुरोध प्राप्त हो चुके हैं और प्रस्ताव को सार्वजनिक निजी भागीदारी पर लेखा समिति के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया है । इस निर्माण, प्रचालन, अंतरण परियोजना के लिए योग्यता हेतु अनुरोधअनुमोदन मिलने के बाद ही मंगाए जाएँगे ।

11.1.2 जने पत्तन में कंटेनर घाट तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार

कंटेनर यातायात में अपेक्षित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पत्तन उत्तर की दिशा में 330 मी.घाट लम्बाई की एक स्वतंत्र कंटेनर प्रहस्तन सुविधा का डीबीएफओटी आधार पर विकास कर रहा है । इस परियोजना की अनुमानित लागत रु. 600 करोड़ है तथा इससे क्षमता में प्रतिवर्ष लगभग 10.00 मिलियन टनों (अर्थात 0.8 मिलियन टीईयू) की वृद्धि होगी । पत्तन ने 28.09 प्रतिशत राजस्व अंश उद्धृत करने वाले मेसर्स डीपी वर्ल्ड प्रा. लि. को स्वीकृति पत्र जारी किया है। पत्तन डी पी वर्ल्ड की विशेष उद्देश कम्पनी न्हावा शेवा (इंडिया) गेटवे टर्मिनल प्रा.लि के साथ छूट करार पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में है ।

11.1.3 चौथे कंटेनर टर्मिनल का विकास

विभिन्न अध्ययनों पर विचार करने से पता लगता है कि पत्तन को वर्ष 2014-15 तक 10 मिलियन टीईयू कंटेनर यातायात का प्रहस्तन करना पड़ेगा ।अतिरिक्त यातायात के प्रहस्तन के लिए अतिरिक्त टर्मिनल सुविधा की आवश्यकता होगी । इसे ध्यान में रखते हुए जनेप न्यास ने डीबीएफओटी आधार पर चौथे कंटनेर टर्मिनल का विकास करने करने का निर्णय लिया है । पत्तन ने इस के लिए मेसर्स पीएसए मुंबई इनवेस्टमेंट्स प्रा. लि. को सितम्बर, 2011 में स्वीकृति पत्र जारी किया था । किन्तु उक्त एजेन्सी के छूट करार पर हस्ताक्षर न करने के कारण पत्तन ने स्वीकृति पत्र वापस ले लिया ।

तदनंतर, पत्तन ने 2006 में तैयार की गई व्यवहार्यता रिपोर्ट की समीक्षा करने के लिए मेमर्स टाटा कन्सल्टिंग इंजीनियर्स को नियुक्त किया है । रिपोर्ट के आधार पर पत्तन ने अर्हता हेतु अनुरोध का दस्तावेज तैयार किया है । परियोजना कीअनुमानित लागत रु. 7915 करोड़ है । इसकी कंटेनर प्रहस्तन क्षमता 4.8 मिलियन टीईयू होगी ।

पत्तन ने अर्हता हेतु अनुरोध के लिए वैश्विक निविदाएँ आमन्त्रित की हैं । पत्तन ने मेसर्स राईट्स प्रा.लि. को परियोजना के कार्य सम्पादन के लिए सलाहकार भी नियुक्त किया है ।

11. GENERAL INFORMATION

11.1.0 Deepening and widening of Mumbai Harbour Channel and JN Port Channel (Phase-I):

JNPT shares about 22.0 Km long main harbour channel with Mumbai Port. Mumbai harbour channel is presently maintained to a depth of 10.7 to 11 mtrs below Chart Datum. JNPT is having a channel length of 7.2 kms. which is maintained to a depth of 11 mtrs below Chart Datum. At present, large size vessels having a draught up to 12.5 mtrs. navigate through Mumbai harbour main channel and JNP channel, making use of tidal window. The Port is deepening and widening the existing channel to accommodate upto 14 mtrs. draught vessels (i.e. +6000 TEU) by using tidal window by a bidding process. M/s. TATA Consulting Engineering Ltd. Was appointed as Engineer for this project. The Port issued work order to M/s Boskalis International BV on 1st August 2012 at the cost of Rs.1370 crores. The work is in progress and by end of March, 2013 about 9 million Cu.M quantity was dredged.

11.1.1 Road Infrastructure:

JN Port is connected by National Highway- 4B to Mumbai – Pune Highway/ Expressway (NH-4) and Mumbai – Goa Highway (NH-17). JNPT is also connected through State Highway- 54 & Amra Marg to Navi Mumbai area, Thane, Nashik & Ahmedabad.

To improve the Port's road connectivity, widening of the said roads has been completed by four laning the existing two lane road of NH-4B (including small portion of NH-4) from port up to Mumbai- Pune Highway/ Express way and by four laning SH-54 from Port to Gavan Phata and improvement to Amra Marg upto junction of Sion Panvel Highway near Belapur. The aforesaid work was executed by forming a Special Purpose Vehicle (SPV) between JNPT, NHAI and CIDCO. This SPV has further taken up BOT project for 6/8 laning of above roads with construction of grade separators at various junctions. RFQ has already been received and proposal is submitted for approval of PPPAC. The RFP for this BOT project will be invited only after such approval.

11.1.2 Extension of Container Berth and other facilities at JN Port :

In view of the expected growth in container traffic, the Port is developing a standalone container handling facility with a quay length of 330 m towards north on DBFOT basis. The estimated cost of the project is Rs. 600 Crores with an estimated capacity addition of about 10.0 million Tonnes (i.e. 0.8 million TEU's) per annum. The Port issued LOA to M/s DP World Pvt. Ltd. who has quoted a revenue share of 28.09%. The Port is in process to enter into concession agreement with Nhava Sheva (India) Gateway Terminal Pvt. Ltd., an SPV Company of DP World.

11.1.3 Development of Fourth Container Terminal :

It is envisaged from various studies that the Port would be required to handle container traffic to the tune of 10 million TEUs in year 2014-15. In order to handle the additional traffic volume, further terminal facility will be required. In view of this, JNP had decided to develop Fourth Container Terminal on DBFOT basis. The LOA was issued to M/s PSA Mumbai Investments Pte Ltd. in September 2011, but the Letter of Award was withdrawn by the Port as the Agency failed to execute the Concession Agreement.

Subsequently, the Port has appointed M/s TATA Consulting Engineers for reviewing the feasibility report prepared in 2006. Based on the report, Port has prepared RFQ document. Estimated cost of the Project is Rs.7915 crores. The container handling capacity will be 4.8 Million TEUs.

The Port has invited global tender for Request for Qualification. Port has also appointed M/s RITES Pvt. Ltd. as Transaction Advisor for the project.

सामान्य सूचना

11.1.4 जनेप न्यास में अतिरिक्त द्रव घाट :

बढ़ते द्रव कार्गो की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए पत्तन ने डीबीएफओटीआधार पर अतिरिक्त द्रव घाट विकसित करने का निर्णय लिया है । जनेप न्यास द्वारा इस परियोजना के लिए प्रधान योजना सहित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जाएगी और इसे सार्वजनिक निजी भागीदारी परियोजना के रुप में कार्यान्वित किया जाएगा । पत्तन ने मेसर्स एल एण्ड टी रामबॉल को उनके द्वारा उद्‌धृत 1.70 करोड तथा लागू सेवा कर की दर पर सलाहकार के रुप में नियुक्त किया है । सलाहकार द्वारा योजना प्रस्तुत की गई है ।

11.1.5 रेल परिवहन लॉजिस्टिक अध्ययन :

जनेप न्यास ने पत्तन में भविष्य की आवश्यकता को देखते हुए रेल परिवहन द्वारा कार्गो की निकासी करके पत्तन में यातायात के जमाव को कम करने तथा इन प्रणालियों का विस्तार करने के लिए आवश्यक उपायों का पता लगाने के लिए मेसर्स राइट्स के माध्यम से अध्ययन कराया है । इसकी रिपोर्ट फरवरी, 2006 में आई । इसमें परामर्शदाता ने जनेप न्यास की रेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगभग रु. 73 करोड़ लागत की विभिन्न योजनाएँ सुझाई हैं । इन परियोजनाओं को रेलवे द्वारा पूरा किया जाना प्रस्तावित है ।

11.1.6 रेल सम्पर्क

पत्तन मध्य रेल के पनवेल-उरण खण्ड द्वारा राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से भली भांति जुड़ा हुआ है । पनवेल आगे कोंकण रेल से तथा मध्य रेल पर दिवा और पश्चिम रेल पर वसई (बसीन रोड) से भी जुड़ा हुआ है । आईसीड़ी द्वारा बढ़ते हुए कंटेनर यातायात की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जने पत्तन एवं पनवेल की रेल लाइन को दोहरा किया गया है । रेल मंत्रालय ने जने पत्तन को देश के उत्तरी भूभाग से जोड़ने के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर के निर्माण की योजना बनाई है।यह कार्य भारत सरकार के उपक्रम डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि. द्वारा पूरा किया जाएगा । इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण लगभग पूर्ण हो चुका है और इस परियोजना के दोनों चरणों के वर्ष 2017 तक पूर्ण होने की संभावना है ।

11.1.7 केन्द्रीकृत पार्किंग प्लाजा :

पत्तन ने 2000 ट्रैक्टर ट्रेलरों के पार्किंग के लिए एक ही स्थान पर एकीकृत पार्किंग क्षेत्र के लिए लगभग 46 हैक्टेयर भूमि की पहचान की हैं । परियोजना की अनुमानित लागत रु. 122.39 करोड़ थी जिसमें पत्तन द्वारा उप-संरचनाओं तथा इमारतों के लिए किया जाने वाला रु. 113.13 करोड़ का निवेश भी शामिल है तथा शेष रु. 9.26 करोड़ की राशि पार्किंग क्षेत्र प्रचालक द्वारा सूचना तकनीक आधारित कार्यो तथा विविध लागतों के लिए लगाई जाएगी । उक्त प्रस्ताव की समीक्षा की गई हैं तथा यह विचाराधीन है ।

11.1.8 पर्यावरणीय पहलू

नेटल इंडिया द्वारा पत्तन के आस-पास के जल एवं वायु के स्तर का मासिक परीक्षण किया जाता है और उसके परिणाम सामान्यत: निर्धारित सीमा में पाए जाते हैं । पत्तन ने कच्छ वनस्पति सहित लगभग 1100 हैक्टेयर के हरित क्षेत्र का विकास किया है तथा 2012-13 के दौरान लगभग 40,000 पौधे लगाए । पत्तन ने प्रचालन के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग के लिए विभिन्न परियोजनाएँ आरंभ की हैं । नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के उपयोग के लिए उठाए गए कुछ कदम इस प्रकार हैं :

i) जनेप न्यास के समर्पित उपयोग के लिए 7 मेगा वाट की वायु ऊर्जा परियोजना का विकास : जनेप न्यास की सहायता के लिए सी. वेट चेन्नै तथा आई टी सी ओ टी कन्सलटैंसी सर्विसेज़, चेन्नै की सलाहकार के रूप में नियुक्ति कर दी गई है । उनके द्वारा व्यवहार्यता रिपोर्ट एवं निविदा दस्तावेज का मसौदा प्रस्तुत किया गया है । मंडल ने पोत परिवहन मंत्रालय का सैध्दांतिक अनुमोदन मिलने की शर्त पर प्रस्ताव को अनुमोदन दे दिया है ।

ii) प्रशासन भवन की छत पर 200 किलो वाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयत्र का विकास योजना स्तर पर है । पत्तन एक व्यापक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली का विकास करने की भी योजना बना रहा है । पत्तन को आईएसओ 14001-2004 प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है तथा पत्तन ने 2012 में प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक पुरस्कार भी जीता है ।

11.1.9 न्हावा में पाँचवा टर्मिनल

पत्तन के जल क्षेत्र के उत्तरी ओर 5 वें टर्मिनल की विराट परियोजना (जिस पर 25,000 से 30,000 करोड़ की लागत आ सकती है) योजना एवं संकल्पना स्तर पर है जिसे सार्वजनिक निजी भागीदारी आधार पर कार्यान्वित किया जाएगा और जिससे 10 मिलियन

GENERAL INFORMATION

11.1.4 Development of Additional Liquid Berth at JNPT : In order to cater for increased liquid cargo traffic, the Port has decided to develop additional liquid cargo berth on DBFOT basis. The DPR including master plan for this project is to be prepared by Consultant engaged by JNPT and it will also be implemented as a PPP project. Port has appointed M/s L & T Ramboll as a consultant at their quoted price of 1.70 Crs plus prevalent service tax. The Master Plan has been submitted by the Consultant.

11.1.5 Rail Transport Logistic Studies : JNPT has conducted Rail Transport logistic studies through M/s. RITES for long term perspective on rail corridors serving the Port and identifying measures that would need to be taken to decongest the Port and augment or expand these systems. The report was submitted in February 2006. The Consultant has suggested various schemes for augmentation of JN Port's rail facilities. The estimated cost for the same is Rs. 73 Crores. The projects are proposed to be carried out by the Railways.

11.1.6 Rail Connectivity : The Port is connected to the national network of the Railways through the Panvel-Uran section of the Central Railway. Panvel is further connected to Kokan Railway. Diva on Central Railway and Vasai (Bassein Road) on the Western Railway, The railway line between JNPT and Panvel has been connected into double line, to meet the requirements of increasing container traffic through ICD'S. The Ministry of Railways has planned for a dedicated freight corridor connecting JNPT with the Northern hinterland. The work is being taken up by Dedicated Freight Corridor Corporation of India Ltd (DFCCIL) a Govt. of India enterprise. Land acquisition work for this project is almost complete and both phases of the Project is due for completion in the year 2017.

11.1.7 Centralized Parking Plaza: The Port has identified about 46 Hectares of Land for Development of Centralised Parking Plaza to accommodate 2000 tractor-trailers for Parking. The estimated project cost was Rs. 122.39 crores, which includes around Rs. 113.13 crores investment by the Port towards development of the substructure and buildings and balance Rs. 9.26 crores to be infused by the Parking Plaza operator towards IT solutions & Miscellaneous cost. The said proposal is reviewed and is under consideration.

11.1.8 Environmental aspects: Port's ambient water and air quality is being monitored monthly through NETAL India and the results are generally found within the prescribed limits. Port has developed about 1100 ha. of green area including mangroves. Plantation of about 40,000 saplings was carried out during the year 2012-13 The Port has taken up various projects for use of renewable energy in Port's Operation. Initiatives to move towards renewable energy sources are as under:

(i) Developing 7 MW Wind energy Project for the Captive use of JNPT. C-WET, Chennai and ITCOT Consultancy services, Chennai have been engaged as Consultant for assisting JNPT. Feasibility report & Draft Tender document have been submitted by the Consultants. The Board has approved the proposal subject to obtaining of in principle approval from Ministry of Shipping.

(ii) Development of Solar power plant of 200 KW on roof top of Administration Building is at planning stage.

The Port is also planning to develop a comprehensive solid waste management system. The Port has been accredited with ISO 14001-2004 certificate and also won the prestigious Golden Peacock Award 2012.

11.1.9 5th Container Terminal:

A mega project of 5th Container Terminal towards Northern side of Port's water (which would cost Rs.25, 000 to 30,000 crores) is at the planning and design stage as a PPP project which could add a capacity of

सामान्य सूचना

टीईयू प्रतिवर्ष की प्रहस्तन क्षमता बढ़ जाएगी । पत्तन ने मेसर्स यूआरएस स्कॉटविल्सन इंडिया प्रा. लि. के संघ को प्रधान योजना, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, व्यवहार्यता रिपोर्ट एवं ईआईए तैयार करने के लिए नियुक्त किया है ।

11.1.10 मुंबई हार्बर चैनल तथा जने पत्तन चैनल को गहरा तथा चौड़ा बनाना (चरण - II)

चैनल को 14 मी. (चरण-I) से 17 मी. की गहराई का बनाने के लिए निकर्षण परियोजना योजना स्तर पर है । व्यवहार्यता रिपोर्ट, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने तथा परियोजना प्रबंधन सलाहकार सेवा देने के लिए सलाहकार की नियुक्ति हेतु निविदाएँ प्राप्त हुई हैं । पत्तन ने मेसर्स टाटा कन्सल्टिंग इंजीनियर्स लि. को मेसर्स अंर्स्ट एन्ड यंग के साथ सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है । व्यवहार्यता अध्ययन जारी है ।

11.1.11 पत्तन के उपस्कर संवर्धन/प्रतिस्थापन कार्यक्रम के अतर्गत 50 मी. टन क्षमता की 03 सुपर पोस्ट पैनामैक्स रेल माउंटेड की क्रेनें नियमित प्रचालन के लिए सितम्बर, 2011 में तैनात और आरंभ की गईं । इसके अतिरिक्त मेसर्स दूसन द्वारा आपूर्त एक आरएमक्यूसी तथा एक आरएमजीसी क्रमश: दिसम्बर, 2012 एवं फरवरी, 2013 में आरंभ की गईं तथा उन पर व्यावसायिक प्रचालन प्रारंभ किया गया । 03 नई आरएमक्यूसी की आपूर्ति तथा पुरानी आरएमक्यूसी को उथले घाट पर स्थानांतरित करने के लिए मेसर्स अनुपम - एमएचआई को आदेश दिया गया है । पत्तन ने कंटेनर यार्ड में तैनात करने के लिए 06 आरटीजीसी की प्राप्ति के लिए वैश्विक निविदा भी आमंत्रित की है ।

11.2 कर्मचारी संख्या

11.2.1 31 मार्च, 2013 तक पत्तन में 121 महिला कर्मचारियों सहित 1706 कर्मचारी थे।

11.2.2 आरक्षण :

सरकारी आदेशों के अनुसार श्रेणी I एवं II के पदों के संबंध में सीधी भर्ती के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए क्रमश: 16.67%, 7.5% तथा 25.83% पद आरक्षित हैं । इसी प्रकार, श्रेणी III एवं IV के पदों के लिए सीधी भर्ती में आरक्षण क्रमश: 10%, 9% तथा 27% है । पदोन्नति के मामले में, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए क्रमश: 15 प्रतिशत तथा 7.5 प्रतिशत आरक्षण हैं । पदोन्नति के लिए अन्य पिछड़े वर्गों हेतु किसी प्रकार का आरक्षण नहीं है ।

कुल 1706 कर्मचारियों में से 165 कर्मचारी अनुसूचित जाति के, 144 कर्मचारी अनुसूचित जनजाति के तथा 109 कर्मचारी अन्य पिछड़े वर्ग के हैं । श्रेणीवार विवरण निम्नलिखित है :

श्रेणी	स्वीकृत पद	भरे गए पद	अनु. जा.	अनु. जन.जा.	अ.पि.व.
I	218	182	28	06	35
II	48	51	07	02	10
III	1436	1366	124	126	629
IV	120	107	06	10	61
योग	1822	1706	165	144	735

जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास ने 19 शारीरिक रूप से विकलांग कर्मचारी तथा 34 कर्मचारी अनुकम्पा आधार पर भर्ती किए हैं ।

11.3. परियोजना प्रभावित व्यक्तियों का पुनर्वास -

पत्तन ने 904 परियोजना प्रभावित व्यक्तियों को सीधे ही नौकरियाँ दी हैं । इसके अतिरिक्त परियोजना प्रभावित व्यक्तियों की श्रम सहकारी समितियों को दिए जाने वाले ठेकों के माध्यम से भी लगभग 750 ऐसे व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराया गया है । इसके अलावा पत्तन उपभोक्ताओं अर्थात नौवहन कंपनियों से अनुरोध करके लगभग 795 परियोजना प्रभावित व्यक्तियों

GENERAL INFORMATION

10 million container handling per year. The Port has appointed Consortium of M/s. URS Scottwilson India Pvt. Ltd. and M/s. Howe India Pvt. Ltd. as a Consultant for preparing the Master Plan, DPR, Feasibility Report and EIA.

11.1.10 Deepening and Widening of Mumbai Harbour Channel and JN Port Channel (Phase-II) :

The dredging project for Deepening the channel from 14mtrs. (Phase-I) to 17mtrs. is in the planning stage. The Port had received the tenders for Appointment of Consultant for preparation of FR, DPR & PMC for this project. The Port has appointed M/s Tata Consulting Engineers Ltd in consortium with M/s Earnst and Young as a consultant. The feasibility studies are under progress.

11.1.11 As a part of the equipment augmentation / replacement programme, three Super Post Panamax Rail Mounted Quay Cranes (RMQCs) of 50 MT capacity were commissioned and deployed for regular operation from September 2011. In addition to that one RMQC, one RMGC supplied by M/s. Doosan commissioned and put into commercial operations in the month of December, 2012 & February 2013 respectively. Orders have been placed on M/s Anupam-MHI for supply of 3 new RMQCs and shifting of old RMQC to Shallow Water Berth. The Port has also invited global tender for acquisition of 6 RTYGCs for deployment at Container Yard.

11.2 Staff Strength :

11.2.1 The Port has 1706 employees on its roll on 31st March 2013 which includes 121 female employees.

11.2 .2 Reservation

According to the Govt. orders in respect of Class-I and II posts, reservation for SC,ST and OBC is 16.67%, 7.5% and 25.83% respectively in direct recruitment. Similarly, in respect of Class-III and IV posts, the reservation is 10%, 9% and 27% respectively in direct recruitment. In case of promotion, the reservation for SC and ST is 15% and 7.5% respectively. In promotion, there is no reservation for OBCs.

Out of total 1706 employees, 165 employees belong to Scheduled Castes, 144 employees belong to Scheduled Tribes and 109 employees belong to Other Backward Classes. The class wise details are as follows:

Class	Sanctioned strength	Filled	SC	ST	OBC
I	218	182	28	6	35
II	48	51	7	2	10
III	1436	1366	124	126	629
IV	120	107	6	10	61
TOTAL	1822	1706	165	144	735

JN Port recruited 19 employees in the category of physically handicapped and 34 employees on compassionate grounds.

11.3 Rehabilitation of Project Affected Persons.

The Port has provided jobs to 904 Project Affected Persons (PAPs). In addition, indirect employment has been made available to around 750 such persons through contracts which are awarded to Labour Co-operative Societies from local Project Affected Persons only. In addition, Port Users like Shipping lines

सामान्य सूचना

को उनके यहाँ रोजगार दिलाया गया है । जनेप न्यास ने पत्तन क्षेत्र में दुकानों/एसटीडी बूथ/फेरीवाला क्षेत्र बनाकर भी लगभग 126 परियोजना प्रभावित व्यक्तियों को रोजगार का अवसर दिया है । इस प्रकार जनेप न्यास द्वारा लगभग 2600 जनेप परियोजना प्रभावित व्यक्तियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से नौकरी/रोज़गार दिलाया गया है । इसके अतिरिक्त जने पत्तन के आस-पास के निजी टर्मिनलों एवं कंटेनर वहन स्थानकों तथा अन्य संस्थानों में बहुत सारे परियोजना प्रभावित व्यक्तियों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हुआ है ।

11.3.1 पत्तन आधारित विशेष आर्थिक क्षेत्र -

पत्तन ने नौवहन मंत्रालय के अनुमोदन से अपनी भूमि पर पत्तन आधारित विशेष आर्थिक क्षेत्र विकसित करने का प्रस्ताव रखा है । पत्तन ने परियोजना की प्रारंभिक तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए मे. आई एल एवं एफ एस इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लि. को नियुक्त किया था । इस रिपोर्ट के आधार पर पहले चरण में लगभग 277 हेक्टेयर भूमि को बहु उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए पत्तन को वाणिज्य मंत्रालय से मार्च 2010 में इसके लिए सिद्धान्ततः अनुमोदन प्राप्त हुआ । उसके बाद मेसर्स अर्न्स्ट एण्ड यंग को परियोजना की तकनीकी तथा आर्थिक समीक्षा करने के लिए परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया था और प्रस्ताव को पोत-परिवहन मंत्रालय के पास भेज दिया था ।

11.4 नगरक्षेत्र

पत्तन ने 2033 रिहायशी मकानों का एक पत्तन नगरक्षेत्र बनाया है। उनमें से 468 मकानों में ज.ने.प. न्यास कर्मचारी रह रहे हैं तथा 889 मकान पत्तन उपभोक्ताओं आदि को आबंटित किए गए हैं तथा दि. 31 मार्च, 2013 को शेष 676 मकान खाली थे ।

11.5 औद्योगिक संबंध

वर्ष के दौरान पत्तन में औद्योगिक संबंध संतोषजनक रहे ।

11.6 दुर्घटनाएँ

वर्ष 2012-2013 के दौरान पत्तन क्षेत्र के अंदर कर्मचारियों के साथ कोई प्राणघातक दुर्घटना नहीं घटी । तथापि वर्ष के दौरान 10 अपघातक दुर्घटनाएँ घटीं ।

11.7 शिक्षा

पत्तन ने अपने नगरक्षेत्र में पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक और माध्यमिक स्तर तक स्कूल (अंग्रेजी एवं मराठी माध्यम) स्थापित किए हैं । इन स्कूलों को पत्तन की ओर से इण्डियन एजुकेशन सोसायटी मुंबई द्वारा चलाया जाता है । इसके अलावा, जनेप नगरक्षेत्र में सेंट मेरी हाईस्कूल द्वारा संचालित एक अंग्रेजी माध्यम का स्कूल भी है ।

पत्तन कर्मचारियों के मेधावी बालकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष के दौरान 871 बालकों को पत्तन ने छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति दी । जूनियर कालेज के स्तर तक छात्रवृत्ति की दर रु. 350 से रु. 1,150 के बीच है तथा जिन छात्रों ने व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रमों में अपनी योग्यता के आधार पर प्रवेश पाया उनके लिए छात्रवृत्ति रु. 3,500 है तथा पहले में व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम पूरा रू. 5,500 है । वर्ष के दौरान वितरित छात्रवृत्ति की कुल राशि रु. 7,54,450/- है ।

11.8 कल्याण निधि :

पत्तन ने कल्याण निधि से अधिकारी क्लब, कर्मचारी क्लब, समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना के बीमे, छात्रवृत्तियों एवं गणेश चतुर्थी, दुर्गा महोत्स्तव, शिव जयन्ती तथा डॉ. बाबा साहेब आम्बेडकर जयंती जैसे उत्सव मनाने के लिए वित्तीय सहायता मंजूर की है ।

11.9 कैन्टीन :

पत्तन क्षेत्र में कंटेनर यार्ड, पत्तन प्रचालन केंद्र, प्रशासन भवन तथा जनेप अस्पताल में पत्तन द्वारा चार कैन्टीनें चलाई जाती है । तीसरी तथा चौथी श्रेणी के कर्मचारियों को 66 रु. मूल्य के कूपन प्रतिकार्य दिवस के हिसाब से दिए जाते हैं तथा कें.औ.सु.बल के कर्मचारियों को भी 16 रू. मूल्य के कूपन प्रतिकार्य दिवस के हिसाब से दिए जाते हैं ।

GENERAL INFORMATION

are encouraged to provide employment to PAPs and they have provided employment to around 795 PAPs. JNPT has also created business opportunities to about 126 PAPs in JNPT area by way of running Shops/STD Booth/Hawker zones. Thus around 2600 Nos. of direct and indirect jobs/employment have been provided by JNPT to JNP-PAPs. In addition, many Project Affected Persons got direct and indirect employment in private terminals and Container Freight Stations etc. in and around JN Port.

11.3.1 Port based Special Economic Zone

The Port has proposed to develop a port based SEZ on its land with approval of Ministry of Shipping Port had engaged M/s. IL&FS Infrastructure Development Corporation as Consultant for preparation of an initial Techno Economical Feasibility Report of the Project. On the basis of such report Port received “in principle” approval from the Ministry of Commerce in March 2010 for development of 277 hectares as Multi product SEZ in Phase-I. Subsequently, Ernst & Young was appointed as Consultant for technical and financial review of the project and proposal was submitted to Ministry of Shipping for approval.

11.4 Township:

The Port has constructed 2033 residential units in its Township. JNPT employees have occupied 468 units and 889 units have been allotted to the Port Users and balance 676 quarters are lying vacant as on 31st March, 2013.

11.5 Industrial Relations :

The industrial relations in the Port during the year were satisfactory.

11.6 Accidents :

There was no fatal accident involving employees in the port during 2012-13. However there were 10 non-fatal accidents, during the year .

11.7 Education :

The Port has established pre-primary, primary and secondary schools (English and Marathi medium) in the Port Township. The schools are managed by the Indian Education Society, Mumbai on behalf of the Port. In addition, an English medium school run by St. Mary’s JNP High School also functions in the JNP Township.

With a view to encourage the intelligent wards of the port employees, the port awarded scholarships to 871 wards of the port employees during the year under its scholarship scheme. The rate of scholarship ranges from Rs.350/- to Rs.1,150/- upto the junior college level and Rs.3,500/- for students who secure admission on merit in professional degree courses and Rs.5,500 after successful completion of professional degree course in the first attempt. The total amount of scholarship disbursed during the year under report was Rs.7,54,450/-.

11.8 Welfare Fund :

The port granted financial assistance from its Welfare Fund to the Officers’ Club and Staff Club, and met the cost of insurance premium for Group Personal Accident Insurance Scheme, scholarships, celebrations of festivals like Ganesh Chaturthi, Durga Mahotsav, Shiv Jayanti and Dr. Babasaheb Ambedkar Jayanti.

11.9 Canteens :

The Port runs four canteens i.e. Container Yard, Port Operation Centre, Administration Building and JNPT Hospital. The JNPT employees (Class-IIII & Class-IV) are given coupons worth Rs.66/- per working day. The C.I.S.F. personnel are also given coupons worth Rs.16/- per working day.

सामान्य सूचना

11.10 प्रशिक्षण केन्द्र

वर्ष 2012-13 के दौरान अधिकारियों/कर्मचारियों को भारतीय समुद्री विज्ञान विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद जैसी अन्य संस्थाओं के द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामित किया गया ।

प्रशिक्षु अधिनियम,1961 के अनुसार पत्तन ने वेल्डर ट्रेड के लिए 04 प्रशिक्षु रखे हैं ।

11.11.0 चिकित्सालय

वर्ष के दौरान जनेप अस्पताल ने निम्नलिखित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम अयोजित किए :-

11.11.1 पल्स पोलिओ प्रतिरक्षण :

राष्ट्रीय प्रतिरक्षण के दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य सरकार के स्वास्थ्य प्राधिकारियों की सहायता से समय-समय पर पल्स पोलिओ प्रतिरक्षण शिविर लगाए गए । प्रत्येक शिविर में शत-प्रतिशत प्रतिरक्षण किया गया ।

11.11.2 समेकित बालविकास योजना शिविर :

उरण तहसील के मानसिक दृष्टि से मंद और सामाजिक दृष्टि से पिछड़े बालकों के कल्याण के लिए मासिक शिविर लगाए गए और प्रतिमाह 35-40 बालकों ने इसका लाभ लिया है ।

11.11.3 14 मई, 2012 को रक्तदान शिविर आयोजित किया जिसमें कुल 116 कर्मचारियों ने रक्तदान किया ।

11.11.4 मे. नोवार्टिस फार्मास्यूटिकल्स की सहायता से 19 मार्च 2013 को मधुमेही आखों की जाँच एवं ऑस्टोपोरसिस के लिए शिविर आयोजित किया गया ।

11.12 प्रबंधन सेवाएँ

पत्तन योजना तथा अन्य प्रचालन गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन द्वारा उनके लाभ प्राप्त करने में सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । जनेप न्यास की सूचना तकनीक आधारित सेवाओं की बढ़ती आवश्यकताओं को सिस्टम इंटिग्रेटर नियुक्त करके सर्वरों, नेटवर्क बैकबोन को गीगा बाइट बैंडविड्थ का तथा सहायक प्रणालियों/एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को अद्यतन बनाया है । सूचना प्रौद्योगिकी अद्यतन परियोजना उच्चतम प्रबंधन को प्रभावी निर्णय लेने के लिए व्यापार आसूचना एवं विश्लेषण का अंतरापृष्ठ प्रदान करेगी । आगे, व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए पत्तन सामुदायिक प्रणाली के वेब पोर्टल के माध्यम से समर्पित लीज लाइन सर्किट का प्रयोग करके संदेशों का आदान-प्रदान किया जाता है । साथ ही, नेटवर्क के लिए बनाई गई अनावश्यकता बचाव योजना के हिस्से के रुप में महत्वपूर्ण स्थानों के बीच रेडियो आवर्ती लिंक भी स्थापित की गई है ।

सूचना संचार प्रौद्योगिकी के संबंध में वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार रहीं :

1. मुबंई कार्यालय के लिए डिजीटल ईपीबीएक्स, नेटवर्किंग, वीडियो कॉनफ्रन्सिग इंटरनेट गेट वे के लिए एमपीएलएस एवं लीसूड लाइन कनेक्टिविटी जैसी सूचना प्रौद्योगिकी की बुनियादी सुविधाओं का कार्यान्वयन ।
2. पत्तन के अन्दर प्रचालन क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए सीटीसीसी कम्प्यूटर केन्द्र में अतिशयता (रेडयूडेन्सी) के हिस्से के रूप में एक अतिरिक्त प्रॉक्सी सर्वर का आरंभ ।
3. बीजकों एवं लेखा शेष के लिए एजेन्टों को ई-मेल सेवाएं ।
4. किओनिक्स ई-निविदा वेब पोर्टल के माध्यम से सिटी बैंक के गेटवे के जरिए ई-निविदा सेवाओं के लिए ई-भुगतान का कार्यान्वयन ।
5. पीसीएस आरटीजीएस के माध्यम से प्राप्त भुगतान के लिए स्वत:प्राप्ति व्यवस्था का निर्माण तथा जनेप न्यास के वित्तीय लेखाकरण एप्लीकेशन प्रणाली के साथ उसका एकीकरण ।
6. अनुज्ञप्तियों को सुप्रवाही बनाने के लिए माईक्रोसॉफ्ट सॉफ्टवेअर उत्पादन अनुज्ञप्तियों हेतु मेसर्स केपीएमजी के माध्यम से सॉफ्टवेअर परिसंपत्ति प्रबंधन किया गया ।

GENERAL INFORMATION

11.10 Training Centre :

During the year 2012—13 officers/staff were sponsored for training programmes organized by other institutes including the Indian Maritime University and the National Safety Council.

Under the Apprenticeship Act 1961, the Port engaged 4 Trade Apprentices in the trade of Welder.

11.11.0 Hospital :

During the year, JNPT Hospital undertook the following heath awareness programmes :-

11.11.1 Pulse Polio Immunization (PPI) : These programmes are conducted from time to time, with the help of the State Health Authorities and as per the guidelines of the National Immunization Programme, achieving 100% immunization during each and every camp.

11.11.2 Integrated Child Development Scheme (ICDS) Camps : Monthly camps for the welfare of mentally retarded and socially backward children of Uran Taluka were conducted and about 35- 40 children took advantage of this camp every month.

11.11.3 Blood Donation Camp was held on 14.05.2012 and a total number of 116 employees / dependents donated blood.

11.11.4 Diabetic Eye check up and Osteoporousis camp was held on 19.03.2013 with the help of M/s. Novartis.

11.12 Management Services :

The Information Communication Technology (ICT) plays a significant role in leveraging the benefits for efficient operations of Port Planning and other operational activities. To keep pace with the increasing requirement of IT enabled services by JNPT, MS Section has upgradated its IT Infrastructure resources, in respect of its Servers, Network backbone to Gigabit bandwidth, along with its supporting system / application Software, by appointing a System Integrator (SI). The IT Upgradation project will also enable Top management with an interface for Business Intelligence & Analytics, for an effective Decision Support System Further, to facilitate the trade, message exchange through Port Community System (PCS) web portal, using dedicated leased line circuit. Also, as part of its redundancy plan for network, Radio Frequency link between critical segments have been established.

Some of the significant achievements during the financial year 2012-13 in respect of Information Communication Technology (ICT) are:

1. Implementation of IT Infrastructure like Digital EPABX, Networking, Video Conferencing, Audio Conferencing, MPLS & Leased Line connectivity for Internet Gateway for the Mumbai office.
2. Commissioning of an additional Proxy Server as part of redundancy at CTCC Computer centre, for users of Operations area, inside port.
3. Emailing services to agents for invoices & a/c balance.
4. Implementation of e-payment for e-tendering services through CITI Bank Gateway, through Keonics e-tendering web portal.
5. Generation of Auto receipt for the payment received thru PCS RTGS and integrating with JNPT's Financial Accounting application system.
6. Undertaken Software Asset Management (SAM) audit through M/s KPMG, for Microsoft Software product licenses for streamlining the licenses.

सामान्य सूचना

11.13 पत्तन में केन्द्र सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

1. पत्तन को संघ सरकार की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2010-11 का इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार) माननीय राष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी द्वारा 14 सितम्बर, 2012 को दिया गया ! इसी प्रकार पत्तन को संघ सरकार की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2011-12 का प्रथम पुरस्कार श्री जी.के. वासन, माननीय पोत परिवहन मंत्री द्वारा 5 मार्च, 2013 को प्रदान किया गया । दोनों ही पुरस्कार जनेप न्यास के अध्यक्ष, श्री एल राधाकृष्णन, भा.प्र.से. द्वारा प्राप्त किए गए ।
2. 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के दौरान जनेप न्यास का क क्षेत्र में हिन्दी पत्राचार 96 प्रतिशत था जबकि "ख" क्षेत्र में 90 प्रतिशत और ग क्षेत्र में यह 91 प्रतिशत था एवं फाइलों पर हिन्दी टिप्पण 68 प्रतिशत था ।
3. पत्तन में दि. 1 सितम्बर, 2012 से 15 सितम्बर, 2012 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया जिसमें 12 प्रतियोगिताएँ यथा-हिन्दी टंकण (आशुलिपिक तथा अन्य वर्ग), हिन्दी अनुवाद तथा शब्दावली, हिन्दी कविता वाचन, हिंदी कहानी प्रतिलेखन, रोचक प्रसंग कथन, हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी भाषण, हिन्दी वर्ग पहेली, हिन्दी गीत-गायन, हिंदी अंताक्षरी तथा हिंदी भाषा ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई । पत्तन के कर्मचारियों/अधिकारियों ने आयोजन में उत्साहपूर्वक भाग लिया । 12 विभिन्न प्रतियोगिताओं के 54 विजेताओं को कुल रु. 1,42,000/- पुरस्कार के रूप में वितरित किए और हिन्दी पुस्तकों के वाचन को बढ़ावा देने के लिए उसमें से 10 प्रतिशत राशि अर्थात रू 14,200/- के पुरस्कार हिंदी पुस्तकों के रूप में दिए गए । इसके अतिरिक्त बड़े तथा अधिक पत्राचार वर्ग के कार्यालयों में यातायात विभाग, यांत्रिक तथा बिजली विभाग, तथा प्रशासन विभाग को क्रमशः प्रथम, व्दितीय तथा तृतीय पुरस्कार और छोटे तथा कम पत्राचार वर्ग के कार्यालयों में पत्तन योजना एवं विकास विभाग, समुद्री विभाग तथा सतर्कता विभाग को क्रमशः प्रथम, व्दितीय तथा तृतीय पुरस्कार दिए गए । साथ ही विभिन्न विभागों के 08 हिन्दी सम्पर्क अधिकारियों को वर्ष के दौरान हिन्दी पत्राचार को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया।
4. सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान निबंध, नारा एवं भाषण प्रतियोगाएँ भी हिन्दी में आयोजित की गई । आस-पास के स्कूलों के विद्यार्थियों को इन प्रतियोगिताओं में शामिल किया गया।
5. जने पत्तन की गृह पत्रिका "अभिव्यक्ति" के लिए रचनाएं लिखने को बढ़ावा देने हेतु हिन्दी प्रोत्साहन योजना तीसरी बार संशोधित की गई और लेखकों के मानदेय में पचास प्रतिशत की बढोत्तरी की गई। तदनुसार निबंध, कहानी, व्यंग्य, नाटक या एकांकी के लिए रु.1500 का मानदेय, कविता के लिए रु.700 और पुस्तक समीक्षा के लिए रु.600 तक मानदेय दिया जाता है ।
6. इस वर्ष हिन्दी गृह पत्रिका "अभिव्यक्ति" के दो अंक प्रकाशित किए गए तथा उसमें लेखन कार्य के लिए 18 अधिकारियों/ कर्मचारियों को रु. 23,600/- नकद राशि के पुरस्कार दिए गए ।
7. वर्ष के दौरान रु. 25000/- की हिन्दी पुस्तकें खरीदी गई जो गैर-संदर्भ साहित्य की पुस्तको के लिए निर्धारित कुल बजट रु. 50,000/- की पचास प्रतिशत थीं । इस वर्ष 2012-13 में रामायण और चाणक्य जैसे प्रसिध्द टेलीविजन धरावाहिकों की डीवीडी को भी हिन्दी पुस्तक खरीद में शामिल किया गया ।
8. वर्ष के दौरान दिन प्रति दिन का कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करने के लिए कर्मचारियों/अधिकारियों को रु. 5,01,129/- के नकद प्रोत्साहन दिए गए ।
9. वर्ष 2012-13 दौरान हिन्दी पत्राचार एवं टिप्पणी के अलावा, कर्मचारियों व्दारा किए गए दिन प्रति दिन के कार्यालयीन कार्य में हिन्दी का प्रगामी प्रयोग निम्मलिखित है :
   i) 418 कंटेनर राजस्व और अन्य नेमी रिपोर्टो तथा वित्त विभाग के 158 वाउचर हिन्दी में बनाए गए । इसके अलावा मॅरीन विभाग की 1473 दैनिक एवं मासिक रिपोर्टे भी हिन्दी में बनाई गईं ।

GENERAL INFORMATION

11.13 IMPLEMENTATION OF THE OFFICIAL LANGUAGE POLICY OF THE UNION GOVERNMENT IN THE PORT.

(01) The port was awarded Indira Gandhi Rajbhasha Puraskar (Second Prize) for excellent implementation of Official Language Policy of the Union Government for the year 2010-11 at the hands of Hon'ble President of India, Shri Pranab Mukherjee on 14th September, 2012. Similarly, the Port was also awarded the second prize for excellent implementation of the Official Language Policy of the Union Government for 2011-12 at the hands of Hon'ble Minister of Shipping, Shri G. K. Vasan on 5th March, 2013. Both the prizes were received by Shri L. Radhakrishnan, IAS, Chairman JNPT.

(02) The Hindi correspondence of JNPT in the year ending on 31st March, 2013 was 96% in region "A", 90% in region "B" and 91% in region "C", while percentage of noting in Hindi on files was 68%.

(03) Hindi fortnight was organised in the port from 1st September, 2012 to 15th September, 2012 during which 12 Hindi competitions, viz Hindi Typing (Stenography and other category), Hindi Translation and Vocabulary, Hindi Poetry Recitation, Hindi Kahani Pratilekhan, Interesting incident narration, Hindi Essay Writing, Hindi Elocution, Hindi Crossword, Hindi Song Singing, Hindi Antakshary and Hindi Language Awareness competitions were organised. The employees/officers of the port participated enthusiastically. Cash prize totalling Rs. 1,42,000/- were distributed to 54 winners of 12 competitions and 10% amount of the prize i.e., Rs. 14,200/- were given to winners in the form of Hindi books to encourage reading of Hindi books. Apart from this, operations department, M & E department and Administration department were awarded first, second and third prizes respectively among big offices with higher correspondence whereas PP&D, Marine and Vigilance departments were awarded first, second and third prizes respectively among small offices category doing lesser correspondence and also 8 Hindi Liaison Officers of various departments were felicitated for promoting Hindi correspondence during the year.

(04) Essay, Slogan and Elocution competitions were also organised in Hindi during Vigilance Awareness Week. The students of nearby schools were included in these competitions.

(05) The Hindi Incentive Scheme for promoting articles etc. for the in-house magazine of JN Port "Abhivyakti", was revised for the third time and the honorarium for writers was increased by 50%. Accordingly, an article, story, satire, drama or one act play is given a honorarium of Rs. 1500/-, poem Rs. 700/- and a book review is paid upto Rs. 600/-.

(06) This year 02 issues of the Hindi in-house magazine "Abhivyakti"were published and 18 officers/employees were awarded cash amount of Rs. 23,600/- for writing articles in it.

(07) Hindi books worth Rs. 25,000/- were purchased during the year, which is 50% of the total budget of Rs. 50,000/- fixed for the purchase of books of non-reference literature. In this year 2012- 13, the DVD's of famous TV Serials 'Ramayana' and 'Chanakya' were also included in Hindi books purchase.

(08) Employees/officers were given cash incentive of Rs. 5,01,129/- during the year for doing day-to-day official work in Hindi.

(09) In addition to Hindi correspondence and notings, the progressive use of Hindi in other day-to-day in-house official works done by the employees during the year 2012-13 is as follows :

(i) 418 Container revenue and other routine reports and 158 vouchers of finance department were made in Hindi. In addition to this 1473 daily and monthly reports of Marine department were also made in Hindi.

सामान्य सूचना

ii) 7826 मानक रसीदें, 3096 जाँच सूचियाँ और 925 मानक अदायगी आदेश हिंदी में जारी किए गए ।

iii) वर्ष के दौरान विभिन्न विभागीय रजिस्टरों के 14260 पृष्ठों पर प्रविष्टियाँ हिंदी में की गईं तथा हिन्दी में गए कार्य की शुरुआत की योजना के तहत 06 रजिस्टरों में केवल हिन्दी में प्रविष्टियाँ करना शुरू किया गया । वर्तमान में जनेप न्यास के कुल 296 रजिस्टरों में केवल हिन्दी में प्रविष्टियाँ की जा रही हैं ।

iv) सेवा पुस्तकों के 176 तथा विहित प्रपत्रों के 17086 पृष्ठों पर प्रविष्टियाँ हिन्दी में की गईं ।

v) वर्ष के दौरान 7163 आवेदन पत्रों के कार्यालयीन उपयोग के अंश हिंदी में भरे गए तथा 432 नामावलियां हिंदी में तैयार की गईं ।

vi) वर्ष के दौरान उपयोगिता सेवाएं अनुभाग (कार्यशाला) में 1114 जॉब कार्ड हिंदी में बनाए गए ।

vii) फायर स्टेशन में रखी दुर्घटना-पुस्तिका में सभी 3,334 पृष्ठों पर प्रविष्टियाँ हिंदी में की गईं ।

viii) जनेप न्यास ने वर्ष 2013 में कैलेन्डर एवं डायरी द्विभाषिक रूप में छपवाकर प्रकाशित किए ।

11.14 पत्तन में आए महत्त्वपूर्ण अतिथि :

क्र.सं.	संगठन का नाम	दिनांक
1	श्री पकंज जैन,भा.प्र.से.विशेष सचिव, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार ने पत्तन सुविधाओं को देखने के लिए जनेप न्यास का दौरा किया।	25 मई, 2012
2	श्री पी.के.सिन्हा, पोत परिवहन सचिव, भारत सरकार ने पत्तन सुविधाओं के देखने के लिए जनेप न्यास का दौरा किया।	31 मई, 2012
3	संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति का दौरा।	08 जून, 2012
4	मा. केन्द्रीय पोत-परिवहन मंत्री, श्री जी.के.वासन ने मुंबई में संपन्न बैठक में जनेप न्यास के निष्पादन की समीक्षा की तथा श्री.एल.राधाकृष्णन्, अध्यक्ष, जनेपन्यास ने उन्हें पत्तन की जारी योजनाओं की स्थिति तथा पत्तन के निष्पादन से अवगत कराया।	22 अगस्त , 2012
5	इटली के टस्कॅन क्षेत्र के व्यापारिक प्रतिनिधि मंडल ने जनेप न्यास का दौरा किया। दौरे का उद्देश्य जनेप न्यास के योजनाबध्द विस्तार को अच्छी तरह से समझना तथा दोनो देशों के बीच व्यापार के अवसरों की तलाश करना था।	24 सितम्बर, 2012
6	लोक लेखा संसदीय समिति	31 अक्तूबर, 2012
7	माननीय राज्यमंत्री, पोत-परिवहन मंत्रालय, श्री मिलिंद देवड़ा ने जनेप न्यास का दौरा किया । जनेप न्यास के अपने पहले दैरे पर उन्होंने सभी कंटेनर टर्मिनलों और अन्य पत्तन सुविधाओं का निरीक्षण किया। जनपे न्यास के अध्यक्ष, श्री एल.राधाकृष्णन, भा.प्र.से. इस दौरे पर उनके साथ रहे तथा उन्होंने जनेप न्यास की चालू परियोजनाओं, भविष्य की योजनाओं, आयात-निर्यात के वर्तमान परिदृश्य और पत्तन के विकास में आने वाली समस्याओं पर एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण भी प्रस्तुत किया।	09 नवम्बर, 2012

GENERAL INFORMATION

(ii) 7826 standard receipts, 3096 check-lists and 925 standard pay-orders were issued in Hindi.

(iii) Entries on 14260 pages of various departmental registers were made in Hindi during the year and under the scheme of initiating new work in Hindi, making entries in 6 registers in Hindi only has been started and with this, now entries in 296 registers of JNPT are made in Hindi only.

(iv) Entries on 176 pages of service books and 17086 pages of prescribed forms were made in Hindi.

(v) During the year portions for official use in 7163 applications were filled up in Hindi and 432 nomenclatures were made in Hindi.

(vi) During the year 1114 job cards were made in Hindi in the Utility Services Section (Workshop).

(vii) Entries on all 3334 pages of occurrence book kept in the fire station, were made in Hindi.

(viii) JNPT published calendar and diary for the year 2013 and printed them bilingually.

11.14 DISTINGUISHED VISITORS TO THE PORT :

Sr. No.	Name of the Organisation	Date
1.	Shri Pankaj Jain, IAS, Special Secretary, Ministry of Statistics and Programme Implementation, Govt of India visited JNPT to see port facilities	25th May 2012
2	Shri P.K.Sinha, Shipping Secretary, Govt of India visited JNPT to see port facilities.	31st May 2012
3.	Visit of the first Sub-Committee of Parliament on Official Language	7th June, 2012.
4.	Hon'ble Union Shipping Minister Shri. G.K.Vasan, reviewed JNPT's performance in a meeting held at Mumbai. Shri L. Radhakrishnan, IAS, Chairman, JNPT, appraised him about the status of ongoing projects of JNPT and performances of the port.	22nd Aug. 2012
5.	A trade delegation from Tuscan region of Italy visited to JNPT to get better understanding of JNPT's planned expansions and explore trade opportunity between two countries.	24th Sept 2012
6	Parliamentary Committee on Public Accounts	31st October, 2012
7.	The Hon'ble Minister of State for Shipping, Shri Milind Deora all the container terminals of JNPT and other Port visited JNPT. During his maiden visit to JNPT he inspected facilities. He was accompanied by Shri L. Radhakrishnan, IAS , Chairman, JNPT, who gave him brief presentation of JNPT's ongoing projects, future projects, the current scenario of EXIM trade and issues in Port development.	9th Nov.,2012

सामान्य सूचना

8	पतन को अमेरिकी व्यापार एवं विकास अभिकरण व्दारा अनुदान के लिए संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यापार एवं विकास अभिकरण के प्रतिनिधियों ने अध्यक्ष, श्री एल.राधाकृष्णन, भा.प्र.से. तथा जनेप न्यास के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की । यह यात्रा अमेरिकी पत्तनों और भारत में पत्तन क्षेत्र में निजी और सरकारी अधिकारियों सहित एक टीम के हिस्से के रूप में श्री एल राधाकृष्णन् द्वारा किए गए पत्तन संबंधी उद्योगों के एक अध्ययन का अगला कदम थी ।	19 दिसम्बर , 2012
9	राज्यसभा की सरकारी आश्वासन संबंधी समिति ने मुंबई में अध्ययन दौरा किया।	22 जनवरी , 2013
10	वाणिज्य एवं उद्योग पर विभाग संबंधित स्थायी समिति का मुंबई दौरा।	05 फरवरी , 2013
11	अन्य पिछड़े वर्ग के कल्याण पर समिति का मुंबई एवं जनेप न्यास का दौरा।	07 फरवरी , 2013
12	महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री, श्री पृथ्वीराज चव्हाण ने उरण दौरे पर जनेप न्यास का दौरा किया ।	20 फरवरी , 2013

11.15 प्रदर्शनी तथा सम्मेलन :

क्र.सं.	संगठन का नाम	दिनांक
1.	मुंबई में संपन्न इंटरमोडल इंडिया सम्मेलन तथा प्रदर्शनी : मुंबई में संपन्न इंटरमोडल इंडिया सम्मेलन तथा प्रदर्शनी में जनेप न्यास ने अपनी सुविधाओं तथा भविष्य की योजनाओं का प्रदर्शन किया। श्री एन.एन.कुमार, (भा.रा.से.), उपाध्यक्ष, जनेप न्यास ने सम्मेलन को संबोधित किया।	24 सितम्बर, 2012
2.	जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास ने पोत परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार व्दारा फिक्की के सहयोग से गोवा में आयोजित इंडिया मैरीटाइम 2012 प्रदर्शनी एवं सम्मेलन में हिस्सा लिया। माननीय केंन्द्रीय पोत परिवहन मंत्री,श्री जी के वासन ने जनेप न्यास की दीर्घा का उद्घाटन किया जहाँ पत्तन के अध्यक्ष,श्री एल राधाकृष्णन,भा.प्र.से.ने जनेप न्यास में उपलब्ध सुविधाओं, नई परियाजनाओं और प्राप्त निष्पादन की एक झलक प्रस्तुत की । इस अवसर पर पोत परिवहन सचिव, श्री पी.के.सिन्हा, भा.प्र.से. भी उपस्थिति थे।	17 अक्तूबर, 2012
3.	हरित पत्तन दक्षिण एशिया सम्मेलन 2013 : मुंराई में संपन्न हरित पत्तन दक्षिण एशिया सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू पत्तन न्यास के अध्यक्ष श्री एल.राधाकृष्णन, भा.प्र.से., ने मैरीटाईम एजेन्डा 2020 तथा पत्तनों एवं टर्मिनलों को हरित बनाने के लिए प्रोत्साहन देने की सरकार की नीति पर भाषण दिया। सम्मेलन कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में सम्मेलन के प्रतिनिधि मंडल ने दिनांक 22 मार्च, 2013 को जनेपत्तन के हरित क्षेत्र का दौरा किया।	22 मार्च, 2013

11.16 सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन

जवाहरलाल नेहरु पत्तन न्यास ने सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन किया है । जनेप न्यास ने सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 4 के अंतर्गत लोक प्राधिकारियों के दायित्वों से संबंधित प्रावधानों का अनुपालन किया है । ब्यौरे जनेप न्यास की वेबसाईट (http//www.jnport.gov.in.) पर प्रदर्शित किए गए हैं । पत्तन ने विशिष्ट स्थानों पर केंद्रीय जन-सूचना अधिकारियों/केंद्रीय सहाय्यक जन-सूचना अधिकारियों के नाम, पदनाम और अन्य विवरणों की जानकारी देने वाले बोर्ड लगाए हैं । पत्तन के उपाध्यक्ष अपीली प्राधिकारी हैं।

GENERAL INFORMATION

8.	A representative from U.S. Trade & Development Agency (USTDA) held discussion with the Chairman, Shri. L. Radhakrishnan, IAS and senior officers of JNPT for identifying possible area for grant of USTDA to the Port. The visit was further to a study from of US ports and port related industries undertaken by Shri. L. Radhakrishnan as part of a team including private and public authorities in the port sector in India.	19th Dec.2012
9.	Study visit of the committee on Govt. Assurances, Rajya Sabha at Mumbai	22nd January, 2013
10.	Visit of Department Related Standing Committee on Commerce & Industry to Mumbai	5th February, 2013.
11.	Visit of Committee on Welfare of Other Backward Classes at Mumbai & JNPT	7th February, 2013.
12.	Hon'ble Chief Minister of Maharashta, Shri Prithviraj Chavan visited JNPT on visit to Uran	20th Feb 2013.

11.15 EXHIBITION AND CONFERENCE :

Sr. No.	Name of the Host	Date
1.	JNPT participated at 'Intermodal India' Conference and Exhibition at Mumbai:JNPT showcased its facilities and future plans at 'Intermodal India' Conference and Exhibition "which was held at Mumbai. N.N. Kumar, IRS, Dy. Chairman, delivered keynote address at the conference.	24th Sept, 2012
2.	JNPT participated in the 'India Maritime 2012' Exhibition and Conference at Goa, organised by Ministry of Shipping, GoI in association with FICCI. The Hon'ble Union Minister of Shipping, Shri.G.K.Vasan, inaugurated the JNPT pavilion where the Chairman, JNPT, Shri. L.Radahakrishnan, IAS, showcased JNPT's facilities, new projects and performance achieved. Shri.P.K.Sinha, IAS, Secretary Shipping was also present	17th Oct. 2012
3.	Green Port South Asia Conference 2013: Shri L. Radhakrishnan, IAS, Chairman, Jawaharlal Nehru Port Trust spoke on the Maritime Agenda 2020 and the Government's Policy on Encouraging Ports and Terminals to Go Green, as the keynote speaker in the Green Port South Asia Conference held at Mumbai. As a part of the conference programme, the delegates of the conference visited JN Port's Green reserve on 22nd March, 2013."	22nd Mar, 2013

11.16 Implementation of the Right to Information Act 2005

The Jawaharlal Nehru Port Trust has implemented the Right to Information Act, 2005 and has complied with the provisions pertaining to obligations of Public Authorities under Section 4 of RTI Act. The details have been put on display on the website http//www.jnport.gov.in. JNPT has placed notice boards at conspicuous places with the names, designations and other details of CPIOs / CAPIOs. The Dy. Chairman is the Appellate Authority.

सामान्य सूचना

1.17.0 जनेप न्यास का नागरिक अधिकार पत्र

11.17.1 जलयान संबंधी प्रभार (प्रमुख मदें)

(क) पत्तन देयों की अनुसूची

क.सं.	जलयान का प्रकार	दर प्रति सकल पंजीकृत टन भार		उसी जलयान के संबंध में भुगतान की आवृत्ति
		विदेशगामी जलयान (अमेरिकी डॉलर में)	तटीय जलयान (रुपयों में)	
1.	क) बल्क जलयान ख) कंटेनर जलयान ग) कारवाहक जलयान (रो-रो)	0.1386 0.1071 0.0693	3.64 2.80 1.81	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश के लिए प्रभार देय है ।
2.	उपर्युक्त जलयानों के अलावा दस टन या उससे अधिक के जलयान (मछली पकड़ने वाली नौकाओं के अलावा)	0.1071	2.80	- वही -
3.	टग और नदी की नौकाएँ चाहे वे भाप या डीज़ल या किसी अन्य यांत्रिक साधन से चलती हों	0.1071	2.80	- वही -
4.	तटवर्ती जलयान	0.94	2.80	- वही -

ख) पायलटेज और नौकर्षण शुल्क की अनुसूची

क.सं.	जलयान का प्रकार	दर प्रति सकल पंजीकृत टन भार	
		विदेशगामी जलयान (अमेरिकी डॉलर में)	तटीय जलयान (रुपयों में)
1	पहले 30,000 सकल पंजीकृत टन भार	0.2381	6.24
2	30,000 से 60,000 सकल पंजीकृत टन भार तक	0.1908	4.99
3	60,000 सकल पंजीकृत टन भार से अधिक	0.1669	4.37

GENERAL INFORMATION

1.17.0 Citizen's Charter of JNPT

11.17.1 VESSELS – RELATED CHARGES (MAJOR ITEMS)

(A) SCHEDULE OF PORT DUES

SR. NO.	VESSELS CHARGEABLE	Rate per GRT		Frequency of payment in respect of the same vessel
		Foreign going Vessels (in US $)	Coastal Vessels (in Rs.)	
1.	a) Bulk Vessels b) Container Vessels c) Car Carrier Vessels (Ro – Ro)	0.1386 0.1071 0.0693	3.64 2.80 1.81	The due is payable on each entry into the port
2.	Vessels of 10 tonne and upward other than those covered above (Except fishing boats)	0.1071	2.80	-do-
3.	Tug boats and river boats whether propelled by steam or diesel or other mechanical means	0.1071	2.80	-do-
4.	Off-Shore Vessels	0.94	-do-	

(B) SCHEDULE OF PILOTAGE –CUM – TOWAGE FEE

Sr.No.	Size of Vessels	Rate per GRT	
		Foreign going Vessels (in US $)	Coastal Vessels (in Rs.)
1.	First 30000 GRT	0.2381	6.24
2.	Above 30000 upto 60000 GRT	0.1908	4.99
3.	Above 60,000 GRT	0.1669	4.37

सामान्य सूचना

ग)　घाट किराया प्रभारों की अनुसूची

क्र.सं.	विवरण	दर प्रति सकल पंजीकृत टन भार प्रति घंटा या उसका अंश	
		विदेशगामी जलयान (अमेरिकी डॉलर में)	तटीय जलयान (रुपयों में)
1	जनेप घाट पर जलयान लगाने के लिए		
	क) कंटेनर घाट	0.0037	0.09
	ख) अवतरण घाट	0.0037	0.09
2	लंगरगाह घाट पर जलयान लगाने के लिए	0.0018	0.04